



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

20 कार्तिक 1942 (श10)

(सं० पटना 874) पटना, बुधवार, 11 नवम्बर 2020

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद

अधिसूचना

22 फरवरी 2020

सं० 2950—श्री दुर्गा भवानी मंदिर, (बगहा मठ), ग्राम—बगहा, प्रखण्ड—बनकटवा, थाना—घोड़ासहन, जिला—पूर्वी चम्पारण पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—2422 है।

इस न्यास की सूचारु प्रबंधन, उन्नयन तथा सम्यक विकास हेतु दिनांक—21.12.2013 को स्थानीय लोगों द्वारा मंदिर परिसर में बैठक कर न्यास समिति गठन हेतु ग्यारह सदस्यों का नाम चयन कर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी बनकटवा के माध्यम से पर्षद को भेजा गया उक्त सूची का चरित्र सत्यापन घोड़ासहन थाना से दिनांक—28.01.2015 को पर्षद को प्राप्त हुआ।

दिनांक—13.02.2020 को श्री शशिभूषण प्रसाद, श्री विमल प्रकाश सिन्हा, श्री ज्योति नारायण सिंह पर्षद में उपस्थित होकर कथन किया कि प्रस्तावित न्यास समिति के सभी सदस्य जीवित हैं और पिछले पाँच छः वर्षों से सभी सदस्यों द्वारा जनता के समर्थन से मंदिर के देखरेख एवं विकास का कार्य किया जा रहा है।

उपरोक्त सभी परिस्थितियों पर विचार करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी से आम सभा के बैठक से प्राप्त हुए 11 सदस्यों के नामों को उक्त मंदिर के सुचारु प्रबंधन एवं सम्यक विकास हेतु बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 32 के अन्तर्गत एक योजना का निरूपण करते हुए इसके कार्यान्वयन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः मैं अखिलेश कुमार जैन, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम, 1950 की धारा 32 में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार जो धार्मिक न्यास की उपविधि सं०—43 (द) के तहत अध्यक्ष को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए श्री दुर्गा भवानी मंदिर, (बगहा मठ), ग्राम—बगहा, प्रखण्ड—बनकटवा, थाना—घोड़ासहन, जिला—पूर्वी चम्पारण की सम्पत्तियों की सुरक्षा, बेहतर प्रबंधन तथा सम्यक् विकास हेतु निम्नांकित योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने एवं संचालन के लिए एक न्यास समिति का गठन करता हूँ।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम "श्री दुर्गा भवानी मंदिर, (बगहा मठ), ग्राम-बगहा, प्रखण्ड-बनकटवा, थाना-घोड़ासहन, जिला-पूर्वी चम्पारण न्यास योजना होगा" तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम "श्री दुर्गा भवानी मंदिर, (बगहा मठ), ग्राम-बगहा, प्रखण्ड-बनकटवा, थाना-घोड़ासहन, जिला-पूर्वी चम्पारण न्यास समिति होगी" जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
5. न्यास समिति बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी प्रावधानों का सम्यक अनुपालन सुनिश्चित करेंगे तथा वार्षिक आय-व्यय का विवरण, बजट एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन बैठक का कार्यवृत्त एवं देय शुल्क राशि पर्षद को ससमय भेजेंगे तथा न्यास परम्परा का पालन करेंगे।
6. न्यास समिति/पदाधिकारी/सदस्य को न्यास की कोई भी सम्पत्ति का हस्तान्तरण, बदलान, बिक्रय, रेहन तथा पट्टा पर देने या किसी प्रकार से न्यास सम्पत्ति का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा अगर वे ऐसा करते हैं तो शुन्य वो अवैध होगा। अगर कोई सदस्य/पदाधिकारी इस तरह की कार्रवाई करेंगे तो उनपर अपराधिक मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। साथ ही न्यास समिति के पदाधिकारियों का यह प्रथम कर्तव्य होगा कि न्यास की सभी भू-सम्पत्तियों का जमाबंदी न्यास के नाम से कराकर पर्षद को सूचित करेंगे। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतेगें।
7. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्षद को प्रेषित की जायेगी।
8. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्षद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।
9. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
10. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्षद में निहित होगा।
11. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास सम्पत्ति से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य करते पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान ही उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।
12. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्षद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

(1)	श्री कमल प्रसाद जयसवाल पिता स्व० केदार जयसवाल	—	अध्यक्ष
(2)	श्री शशिभूषण प्रसाद पिता स्व० रामविश्वास प्रसाद	—	सचिव
(3)	श्री विभल प्रकाश सिन्हा पिता स्व० राम अयोध्या प्रसाद	—	कोषाध्यक्ष
(4)	श्री प्रदीप कुमार सिन्हा पिता स्व० गौरी शंकर सिन्हा	—	सदस्य
(5)	श्री ज्योति नारायण प्रसाद पिता स्व० प्रगण साह	—	सदस्य
(6)	मणिभूषण कुमार पिता सुरेश प्रसाद	—	सदस्य
(7)	श्री चन्देश्वर शर्मा पिता रामानन्द ठाकुर	—	सदस्य
(8)	श्री खेनहारू प्रसाद यादव पिता स्व० रामआग्राया प्रसाद यादव	—	सदस्य
(9)	श्री रामानन्द सिंह पिता स्व० ब्रह्मदेव सिंह	—	सदस्य
(10)	श्री नथु पासवान पिता स्व० चरितर पासवान	—	सदस्य
(11)	श्री मनोज कुमार सिंह पिता रघुनाथ सिंह	—	सदस्य

NOTE:- राजस्व अभिलेख में मंदिर के सभी सम्पत्तियों का इन्द्राज मंदिर के नाम (श्री दुर्गा भवानी मंदिर, (बगहा मठ), ग्राम-बगहा, प्रखण्ड-बनकटवा, थाना-घोड़ासहन, जिला-पूर्वी चम्पारण) पर ही रहेगा, किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर नामान्तरण अथवा संशोधन नहीं होगा।
उपरोक्त न्यास समिति का गठन अस्थाई रूप से किया जाता है कि पर्षद के गठन हो जाने के पश्चात् इनको स्थाई किये जाने पर विचार किया जायेगा।

आदेश से,
अखिलेश कुमार जैन,
अध्यक्ष।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 874-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>